Page No.
Date 20/7/21

हरिहर काका

1. ठाकुरबारी के महंत धर्म के ठेकेदार थे, परंतु सही शब्दों में वह धर्म के नाम पर कलंक थे। वे धनलोलुप एवं अवसरवादी थे। उन्होंने हरिहर काका के जमीन हथियाने की भरपूर कोशिश की तथा बल और छल का भी प्रयोग किया। उन्होंने स्वार्थ-निष्ठा तथा हरिहर काका के प्रति क्रूर दुर्व्यवहार करके उनके विश्वास को ठेस पहुँचाया। किसी भी संस्था का यह दायित्व है कि वह समाज में व्याप्त स्वार्थ की भावना को दूर कर जन-जन में परोपकार का भाव जगाए। पर आस्था और विश्वास के इस मंदिर ने हरिहर काका सदृश लोगों के साथ विश्वास-घात करके, ~~अनेक~~ उनके साथ दुर्व्यवहार करके ये दिखा दिया की बदलते परिवेश के साथ-साथ धार्मिक संस्थाएँ भी भ्रष्टाचार के अड्डे बन रहे हैं। ऐसे में साधु समाज के प्रति जन-मानस में विरक्ति और घृणा का भाव पैदा करती है। उनके लोभ-लालच और षड्यंत्रों के कारण युवा पीढ़ी पर असर होता है।